प्रकाशित समाचार

दिनांक : गुरुवार,13 सितंबर 2018

पृष्ठ संख्या : IV

डेली हिन्दी मिलाप

DAILY HINDI MILAP

Hyderabad

हिन्दी की प्रगति से होगी देश की उन्नति

हमारे बहुलतावादी देश में अनेक जाति, धर्म, संस्कृतियां एवं भाषाएं बोली जाती हैं। हिन्दी भाषा सभी भारतीयों के बीच सौहार्द और एकता की भावना को जागृत करती है। सरकार द्वारा जनहित में किए जाने वाले कार्यों का परिणाम सामान्य जनता तक पहुंचाने के लिए जनमानस की भाषाओं का प्रयोग करना आवश्यक है। कृषि के क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधानों का परिणाम यदि वैज्ञानिकों द्वारा हिन्दी में प्रलेखित एवं प्रकाशित किए जाये तो आम जनता एवं किसानों को भी उसकी जानकारी सुलभता से उपलब्ध होगी।

कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी, हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने का अत्यंत प्रभावी माध्यम है। मोबाइल फोन क्रांति ने मोबाइल फोन पर संक्षिप्त रूप में हिन्दी में सूचना देना आसान कर दिया है। अब सभी कंप्यूटरों में केवल हिन्दी ही नहीं, बल्कि

श्रीमती वी. उषा रानी
भा.प्र.से., महानिदेशक
राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान, हैदराबाद

सभी भारतीय भाषाओं में काम करने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस प्रकार जो भी सामग्री कंप्यूटरों में हिन्दी में तैयार की जा रही है, उसे सरकारी कार्यालयों के लिए अपनी-अपनी वेब साइट पर डालना अत्यंत सुविधाजनक हो गया है।

मैनेज नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति अपने सदस्य कार्यालयों के लिए नियमित रूप से कार्यशालाओं का आयोजन करती है। इन कार्यशालाओं में कंप्यूटर पर उपलब्ध कई भाषायी उपकरणों एवं उनकी उपयोगिता संबंधी जानकारी प्रदान की जाती है।

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज) राजभाषा की प्रगति के लिए भरसक प्रयास कर रहा है। मैनेज एक प्रशिक्षण संस्थान है और यह विभिन्न राज्यों के सरकारी विस्तार अधिकारियों एवं कर्मियों के लिए समकालीन विषयों पर आवश्यकता आधारित कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इन कार्यक्रमों में प्रतिभागियों की आवश्यकता अनुसार भाषा का प्रयोग किया जाता है। मैनेज अपनी सारी प्रशिक्षण सामग्री द्विभाषी रूप में तैयार कर रहा है। मैनेज द्वारा चलाया जा रहा इनपुट डीलरों हेतु कृषि विस्तार सेवा डिप्लोमा (देसी) कार्यक्रम में पाठ्य विषयों को अधिकांश रूप से स्थानीय भाषाओं में समझाया जाता है। सरकारी कर्मचारियों के लिए आयोजित पीजीडीएईएम पाठ्यक्रम की सामग्री पूरी तरह से द्विभाषी रूप में प्रदान कर रहा है। विस्तार कर्मियों के लिए आरंभ किए गए स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंध डिप्लोमा की सारी शिक्षण सामग्री का सरल वीडियो पाठ बनाया गया है और उन्हें द्विभाषी रूप में तैयार कर वेबसाईट पर उपलब्ध कराया गया है।

मैनेज ने किसानों के हित में फसल सलाहकारी सेवा एवं प्रमाणित फार्म सलाहकार पाठ्यक्रम को आरंभ किया है। इन दो कार्यक्रमों द्वारा सीधे किसानों को सेवाएं प्रदान करने का लक्ष्य है। इसके अलावा मैनेज कृषि के क्षेत्र में कई अनुसरणीय कार्यों एवं सफल किसानों की गाथाओं को अपने वेबसाईट पर द्विभाषी रूप में प्रस्तुत कर रहा है। किसानों की सेवा के क्षेत्र में कार्यरत हमारा संस्थान जन-जन की भाषा हिन्दी को बढ़ावा देने में निरंतर प्रयत्नशील है।